अभ्यास पत्रक

पाठ – हरिहर काका

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"हरिहर काका की जिन्दगी से मैं बहुत गहरे में जुड़ा हूँ। अपने गाँव में जिन चंद लोगों को मैं सम्मान देता हूँ, उनमें हरिहर काका भी एक हैं।"

1. कथावाचक हरिहर काका से क्यों जुड़ा हुआ महसूस करता है?

उत्तर - .....

.....

2. कथावाचक के अनुसार गाँव में कौन-से लोग उसके लिए सम्माननीय हैं?

उत्तर - .....

.....

3. कथावाचक की दृष्टि में हरिहर काका क्यों विशेष हैं?

उत्तर - .....

.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** हरिहर काका ने अपने जीवन में तीसरी शादी नहीं की।
   कारण: वे वृद्ध हो चुके थे और धार्मिक संस्कार उन्हें ऐसा करने से रोकते थे।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** गाँव वालों की दो राय थी कि हरिहर काका ज़मीन कहाँ लिखें।
   कारण: एक वर्ग ठाकुरबारी से लाभ पाता था और दूसरा समाज में न्यायपूर्ण व्यवहार चाहता था।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "हरिहर काका" कहानी के लेखक कौन हैं?
   (क) राही मासूम रज़ा (ख) यशपाल (ग) मिथिलेश्वर (घ) प्रेमचंद

7. हरिहर काका के कितने भाई थे?
   (क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

8. हरिहर काका के पास कुल कितनी ज़मीन थी?
   (क) बीस बीघा (ख) दस बीघा (ग) पंद्रह बीघा (घ) साठ बीघा

9. ठाकुरबारी में साधु-संतों का व्यवहार कैसा था?
   (क) त्यागी (ख) कर्मठ (ग) पाखंडी और स्वार्थी (घ) गरीबों के हितैषी

10. हरिहर काका के परिवार में किस बात को लेकर विवाद था?
    (क) नौकरी को लेकर (ख) शादी को लेकर (ग) बच्चों को लेकर (घ) ज़मीन को लेकर

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. हरिहर काका को महंत और अपने भाइयों में कोई अंतर क्यों नहीं लगता था?

उत्तर - .....

……
……

12. हरिहर काका के भाइयों की पत्नियाँ शुरू में उनके प्रति कैसी थीं, और बाद में उनका व्यवहार कैसे बदल गया?

उत्तर - ……
……
……

13. कथावाचक को ठाकुरबारी के साधु-संत क्यों पसंद नहीं थे?

उत्तर - ……
……
……

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. "हरिहर काका" कहानी सामाजिक मूल्यों में गिरावट और रिश्तों में स्वार्थ की प्रवृत्ति को उजागर करती है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - ……
……
……
……
……
……
……
……
……
……
……

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. यदि हरिहर काका के गाँव में मीडिया की पहुँच होती तो उनकी स्थिति कैसी होती? कहानी के आधार पर कल्पना करते हुए उत्तर दीजिए।

उत्तर - ……
……
……
……
……
……
……
……
……
……
……

उत्तर कुंजी

1. क्योंकि हरिहर काका उसे बचपन से बहुत प्यार करते थे और बाद में गहरा आत्मीय संबंध बन गया था।
2. गाँव के वे लोग जो चरित्रवान और सरल स्वभाव के थे।
3. क्योंकि वे उसके साथ दोस्ती रखते थे और उसके साथ खुलकर बात करते थे।
4. (क)
5. (क)
6. (ग)
7. (ख)
8. (ग)
9. (ग)
10. (घ)
11. क्योंकि दोनों ही ज़मीन के लिए उसके साथ छल और बल का प्रयोग कर रहे थे।
12. प्रारंभ में वे सेवा करती थीं, पर बाद में रूखा व्यवहार करने लगीं और काका की उपेक्षा करने लगीं।
13. क्योंकि वे मेहनत नहीं करते थे, आराम से हलवा-पूरी खाते और धर्म का आडंबर करते थे।

14. कहानी 'हरिहर काका' में यह दिखाया गया है कि किस प्रकार पारिवारिक और धार्मिक संस्थाएँ अपने स्वार्थ के लिए एक वृद्ध और निःसंतान व्यक्ति का शोषण करती हैं। काका की जमीन हड़पने के लिए उनके अपने भाई और ठाकुरबारी के महंत दोनों षड्यंत्र रचते हैं। यह कहानी दर्शाती है कि समाज में संबंधों में सच्चाई और स्नेह की जगह स्वार्थ और धोखे ने ले ली है। आज का इंसान अपने स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

15. यदि हरिहर काका के गाँव में मीडिया की पहुँच होती तो उनकी स्थिति में बहुत सुधार हो सकता था। मीडिया उनकी दयनीय स्थिति को सामने लाकर पूरे समाज और सरकार का ध्यान खींच सकता था। काका की ज़मीन हड़पने की कोशिश करने वाले साधु-संत और भाई समाज के सामने बेनकाब होते। सरकार द्वारा सुरक्षा, वृद्धावस्था पेंशन और देखभाल की व्यवस्था की जा सकती थी। काका को सार्वजनिक सहानुभूति मिलती और वे अकेलेपन, उपेक्षा और अन्याय से मुक्त हो सकते थे। मीडिया एक माध्यम बन सकता था जिससे अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठती और बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा होती।